पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 16.05.2017 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868002130

आर्य कन्या शिविर का भव्य समापन समारोह

रविवार, 28 मई 2017,
प्रातः 10.30 से 1.30 बजे तक
स्थानः आर्य समाज,
सन्देश विहार,पीतमपुरा, दिल्ली
आप सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं

वर्ष-33 अंक-24 ज्येष्ठ-2074 दयानन्दाब्द 193 16 मई से 31 मई 2017 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.05.2017, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

॥ ओ३म् ॥

विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर

उद्घाटन समारोह

अमर शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल जन्मोत्सव

शनिवार, 10 जून 2017, सायं 5 से 7:30 बजे तक
स्थान : ऐमिटी कैम्पस, सैक्टर-44, नोएडा

मुख्य अतिथि

श्री अतुल गर्ग (खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश)

अध्यक्षता : श्री आनन्द चौहान जी (निदेशक, ऐमिटी शिक्षण संस्थान)
ध्वजारोहण : ठाकुर विक्रम सिंह जी (अध्यक्ष, राष्ट्र निर्माण पार्टी)
मुख्य वक्ता : डॉ. सत्यपाल सिंह जी (संसद सदस्य व वैदिक विद्वान, पूर्व कमिश्नर मुम्बई पुलिस)
विशिष्ट अतिथि : श्री पंकज सिंह (विधायक, नोएडा)
श्री मायाप्रकाश त्यागी (कोषाध्यक्ष, सार्वदेशिक सभा)
श्री बिजेन्द्रसिंह आर्य (आर्य दीप पब्लिक स्कूल)
श्री वीरेश भाटी (प्रधान जिला सभा गौतमबुद्ध नगर)
श्री धर्मवीर प्रधान जी (गौतम बुद्ध नगर)

गरिमामय उपस्थिति

- कै. रूद्रसेन सिन्धु
- श्री सुरेन्द्र कोहली
- राव हरिशचन्द आर्य
- डॉ. संजय महेन्द्रु
- श्री पुनीत मल्होत्रा
- श्री श्रद्धानन्द शर्मा
- श्री रामलुभाया महाजन
- श्रीमती रमेश कु. भारद्वाज
- श्री जितेन्द्र नरूला
- श्री तिलक चांदना
- श्री ईशकुमार गक्खड़
- श्री राजेश मेहन्दीरत्ता
- सीमा-रोहित ढींगरा
- श्री नवीन रहेजा
- चौ. ब्रह्मप्रकाश मान
- श्री अशोक जेठी
- प्रि. अन्जु महरोत्रा
- श्री के.एल. वर्मा
- श्री अरुण अग्रवाल
- श्री अमरनाथ गोगिया
- डॉ. विनोद खेत्रपाल
- श्री ओम सपरा
- श्री सुरेन्द्र शास्त्री
- श्री चत्तरसिंह नागर
- श्री वेदप्रकाश
- ओमप्रकाश अरोड़ा
- श्री सुभाष आर्य
- श्री रविदेव गुप्ता
- श्री संजय सिंघल
- श्री संजीव सेठी
- सुश्री सरोजनी दत्ता
- श्री सत्यवीर चौधरी
- माता शीला ग्रोवर
- श्री रविन्द्र मेहता
- श्री विजय कपूर
- श्री ओमप्रकाश जैन
- श्रीमती पुष्पलता वर्मा
- श्री सुरेन्द्र मानकटाला
- अनिल आर्य (मुरारी ब्रद.)

मधुर भजन : सरदार सुरेन्द्र सिंह गुलशन (जालन्धर)
ऋषि लंगर : रात्री 7:30 से 8:30 बजे तक

॥ ओ३म् ॥

विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर

दीक्षा व भव्य समापन समारोह

रविवार, 18 जून 2017, प्रातः 11 से 1.30 बजे तक
स्थान : ऐमिटी कैम्पस, सैक्टर-44, नोएडा

मुख्य अतिथि

डॉ. महेश शर्मा जी (केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार)
स्वामी सुमेधानन्द जी (संसद सदस्य)

अध्यक्षता : डॉ. अशोक कुमार चौहान जी (संस्थापक अध्यक्ष, ऐमिटी शिक्षण संस्थान)
आशीर्वाद : डॉ. श्रीमती अमिता चौहान जी (चेयरपरसन, ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल्स)
ध्वजारोहण : श्री राजीव कुमार परम (चेयरमैन, परम डेयरी ग्रुप)
विशिष्ट अतिथि : श्री दर्शन कुमार अग्निहोत्री (अध्यक्ष, वैदिक साधन आश्रम)
डॉ. लाजपतराय आर्य चौधरी (करनाल)

गरिमामय उपस्थिति

- श्री अरूण बंसल
- श्री के.एस. यादव
- श्री प्रदीप तायल
- पं. रामगोपाल शर्मा
- श्री महेन्द्रसिंह आर्य
- श्री धर्मपाल सिब्बल
- श्री अशोक सिब्बल
- श्रीमती सुनीता बुग्गा
- श्री रवि चड्डा
- श्री प्रियव्रत आर्य
- श्री विकास अग्रवाल
- श्री सुरेन्द्र गुप्ता
- श्री रणसिंह राणा
- श्रीमती सुषमा अरोड़ा
- श्री सुभाष चांदला
- श्रीमती विजयारानी शर्मा
- श्री जवाहर भाटिया
- श्री सत्यानन्द आर्य
- श्री अविनाश बंसल
- श्री प्रवीण तायल
- श्री राजीव चौधरी
- श्री के.एल. पुरी
- श्री राजेन्द्र लाम्बा
- श्री सुनील अग्निहोत्री
- श्री टी. आर. मित्तल
- श्री धर्मदेव खुराना
- श्री रामेश्वर गोयल
- श्री नरेन्द्र कालरा
- श्री भारतभूषण साहनी
- श्री कस्तूरीलाल मक्कड़
- श्री सोहनलाल मुखी
- श्री अमित मान
- श्री राजेन्द्र खारी
- श्री ओमप्रकाश अग्रवाल
- डॉ. जयेन्द्र आचार्य
- श्री प्रभात शेखर
- श्री सुधीर सिंघल
- श्री विजय आहूजा
- श्री रामकुमार भगत
- श्रीमती नीता खन्ना
- श्री महेन्द्र मनचन्दा
- श्री मदनलाल आर्य
- श्री यशपाल चावला
- श्री अशोक सरदाना
- श्री अजेय जिन्दल
- श्री रमेश गाडी
- श्री संजीव सिक्का
- श्री रामकृष्ण तनेजा
- श्री जितेन्द्र डावर
- श्री पीतमकुमार गुप्ता
- श्री अशोक सहदेव

आर्य युवकों द्वारा भव्य व्यायाम प्रदर्शन के कार्यक्रम होंगे
ऋषि लंगर : दोपहर 1.30 से 2.30 बजे तक

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 38 वें स्थापना दिवस पर आर्य नेता श्री अमरनाथ गोगिया की अध्यक्षता में

भव्य संगीत संध्या — पं. दिनेश पथिक (अमृतसर) द्वारा

शनिवार, 3 जून 2017, शाम 6 बजे, स्थानः आर्य समाज, कबीर बस्ती,पुरानी सब्जी मण्डी,दिल्ली—7
यज्ञः— सायं 5 बजे आचार्य महेन्द्र भाई के ब्रह्मत्व में होगा। प्रीति—भोज : रात्री—7.30 बजे से 8.30 बजे तक
आप सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं

निवेदक

ओमप्रकाश आर्य	डा.अनिल आर्य	देवेन्द्र भगत	सुनील खुराना
प्रधान	कार्यकर्ता प्रधान	मन्त्री	कोषाध्यक्ष

ऋषि दयानन्द और आर्यसमाज ने विश्व के करोड़ो लोगों को वैदिक धर्म द्वारा सच्चे आध्यात्मिक एवम् सांसारिक जीवन जीने का मार्गदर्शन दिया

— मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून।

मनुष्य सभी प्राणियों में सबसे श्रेष्ठ प्राणी व योनि है। मनुष्य के पास जो मन है वह अन्य प्राणियों की तुलना में विशिष्ट गुणों व शक्तियों से सम्पन्न है। मनुष्य अपने मन से मनन, विचार व चिन्तन कर सकता है जबकि अन्य पशु, पक्षी आदि प्राणी ऐसा नहीं कर सकते। मनुष्य किसी विषय में चिन्तन कर सत्य व असत्य का निर्णय कर सकता है। बच्चा विद्यालय में पढ़ता है। उसको गणित के प्रश्न समझाये जाते हैं। उसको अंकों का योग करना व घटाना भी सिखाया जाता है। अब उसको संख्याओं के योग व घटाने के वह प्रश्न पूछे जाते हैं जो पहले उसे बताये नहीं गये थे। उसे अपनी बुद्धि व मन के सहारे पूछे गये प्रश्नों पर विचार, चिन्तन व मनन के द्वारा प्रश्न के सत्य उत्तर का निर्णय करना होता है और वह धीरे धीरे इस विद्या में निपुण होता जाता है। एक दिन वही बालक गणित का उच्च कोटि का शिक्षक तक बन जाता है। पशुओं को मनुष्यों की भांति भाषा, गणित, विज्ञान व अन्य विषयों को सिखाया नहीं जा सकता और न हि वेद मन्त्रों, गीत व भजनों को रटाया जा सकता है। यहां तक की मनुष्येतर प्राणी तो हमारी तरह भाषा भी नहीं बोल सकते और न ही अपने दुःखों की अभिव्यक्ति ही कर पाते हैं। ऐसे अनेक उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि मनुष्य एक मननशील, सत्यासत्य का विवेचन करने वाला तथा सत्य—असत्य का निर्णय करने वाला श्रेष्ठ प्राणी है।

आज का संसार शिक्षा के महत्व को जानता है। अशिक्षित मनुष्य का जीवन पशुओं से कुछ बेहतर वा कुछ कुछ उनके समान ही होता है। शिक्षा प्राप्त व्यक्ति अपनी मातृ भाषा व कुछ अन्य भाषाओं को बोलने व समझने का ज्ञान प्राप्त कर सकता है। बहुत से लोगों को अनेक भाषाओं का ज्ञान होता है। ऋषि दयानन्द जन्म से गुजराती थे। स्वाभाविक रूप से गुजराती उनकी मातृ भाषा थी जिसका वह बोलचाल आदि में सरलता से प्रयोग करते रहे होंगे। उन्होंने अपने ग्राम व निकटवर्ती स्थानों पर संस्कृत व यजुर्वेद आदि का अध्ययन भी किया था। वैराग्य होने पर वह ईश्वर व इश्वरेतर ज्ञान की खोज में घर से चले गये। उन्होंने देशाटन किया और योग तथा आध्यात्मिक सच्चे गुरुओं की खोज कर जिनसे जो ज्ञान प्राप्त हुआ, उसे ग्रहण किया। संस्कृत पर उनका असाधारण अधिकार हो गया। वह धारा प्रवाह संस्कृत बोल सकते थे व अपने उपदेश व वार्तालाप संस्कृत में ही करते थे। बंगाल के कलकत्ता स्थान पर जाने पर उन्हें केशवचन्द्र सेन जी ने अपने उपदेशों व लेखन आदि में हिन्दी को अपनाने की प्रेरणा दी। इस उपयोगी प्रस्ताव को उन्होंनें स्वीकार किया और कुछ ही काल पश्चात वह हिन्दी भाषा के अच्छे जानकार, वक्ता व लेखक बन गये। उनकी प्रायः सभी कृतियां हिन्दी या संस्कृत—हिन्दी भाषाओं में हैं। सिद्ध योगियों से योगाभ्यास सीख कर वह योग के सफल अभ्यासी बने थे। सन् 1860—1863 के बीच उन्होंने मथुरा में गुरु विरजानन्द सरस्वती से आर्ष व्याकरण अष्टाध्यायी, महाभाष्य व निरुक्त पद्धति का अध्ययन किया। अब संस्कृत भाषा में उनकी प्रतिभा व सामर्थ्य आशातीत वृद्धि को प्राप्त हुए। गुरु विरजानन्द जी ने विद्याध्ययन पूर्ण होने पर स्वामी दयानन्द जी को देश व समाज से अज्ञान, अन्धविश्वास, कुरीति, सामाजिक असामनता, फलित ज्योतिष आदि मिथ्या विश्वासों को दूर करने की प्रेरणा की। स्वामी दयानन्द जी ने गुरु जी प्रेरणा वा आज्ञा को स्वीकार किया और देश में सत्य वैदिक धर्म का प्रचार आरम्भ कर दिया।

स्वामी दयानन्द ने सबको, स्त्री, पुरुष, अन्त्यज, दलित सहित सभी मतों के लोगों को विद्याध्ययन व वेदाध्ययन का अधिकार दिया। उन्होंने प्राचीन काल में प्रचलित गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति का उद्धार भी किया। उनके समय में समाज में मूर्तिपूजा, मृतक श्राद्ध, फलित ज्योतिष व भाग्यवाद का प्रचार, बाल विवाह, विधवाओं के विवाह पर प्रतिबन्ध, नारियों के वेदाधिकार का निषेध, दलितों के भी शिक्षा व वेदाधिकार पर प्रतिबन्ध, छुआछूत, जन्मना जातिवाद, पक्षपात व मानव अधिकारों का हनन, विधर्मियों द्वारा धर्म परिवर्तन, बच्चों व बड़ों को संस्कारित करने की व्यवस्था का अभाव, ब्रह्मचर्य के महत्व से अनभिज्ञता, बहुपत्नी प्रथा, सती प्रथा, वैश्यावृत्ति आदि कुप्रथायें प्रचलित थीं। ऋषि दयानन्द ने इन्हें ईश्वरीय ज्ञान वेद के विरुद्ध बताया और तर्क व युक्ति से इसकी निस्सारता बताते हुए इन सभी का खण्डन किया। समाज में कुछ लोग बुद्धिशील होते ही हैं। लोगों पर उनके खण्डन व वैदिक मान्यताओं के प्रचार का प्रभाव हुआ। संसार में एक सच्चिदानन्द गुण, कर्म व स्वभाव युक्त ईश्वर के अस्तित्व, असंख्य अल्पज्ञ एकदेशी चेतन जीवात्माओं का अस्तित्व तथा सूक्ष्म जड़ त्रिगुणात्मक प्रकृति के अस्तित्व सहित शाकाहार, दुग्धाहार, फलाहार, अन्नाहार, शुद्ध जल का पान, योग की ध्यान विधि व वेदमन्त्रों से ईश्वर के ध्यान व उपासना का प्रचार, अग्निहोत्र, पितृ यज्ञ, अतिथियज्ञ व बलिवैश्वदेव यज्ञ का उन्होंने प्रचार किया। विश्व में सत्यार्थप्रकाश नामक सत्य अर्थों से परिचित कराने वाले धर्म ग्रन्थ की रचना व प्रचार सहित उन्होंने ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, वेदभाष्य, संस्कारविधि, आर्याभिविनय आदि अनेकानेक ग्रन्थों की रचना व प्रचार किया। मनुष्यों की सभी शंकाओं का वैदिक मान्यताओं के आधार पर समाधान भी उन्होंने किया। पौराणिकों व विधर्मियों से शास्त्रार्थ व वातालाप आदि किये और वैदिक मान्यताओं को मानव जीवन के लिए कल्याणकारी व हितकारी भी सिद्ध किया। देश की आजादी का मूल मंत्र भी स्वामी दयानन्द ने सत्यार्थप्रकाश, आर्याभिविनय, संस्कृतवाक्यप्रबोध व अपने उपदेशों द्वारा देशवासियों को दिया। गोरक्षा व हिन्दी—संस्कृत को अपूर्व महत्व दिया व इन्हें राष्ट्रीय उन्नति में परम सहायक बताया। ऐसे अनेकानेक कार्य स्वामी दयानन्द जी ने देश, समाज व लोगों के जीवन के कल्याण के लिए किए। यह भी बता दें कि स्वामी जी का उद्देश्य केवल भारत और यहां के आर्य हिन्दू निवासियों के कल्याण तक सीमित नहीं था अपितु वह आर्य हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध, जैन व सिख आदि सभी मनुष्यों का कल्याण व परम हित करना चाहते थे। उन्होंने सभी को वैदिक विचारधारा को अपनाने का आह्वान किया। बहुत से लोगों ने अपने पूर्वमत का त्याग कर वैदिक धर्म व आर्यसमाज संगठन को अपनाया और अपनी आत्मोन्नति सहित सामाजिक व बौद्धिक उन्नति की। उनके ही प्रयासों से हिन्दुओं का धर्मान्तरण रूका और देश में आजादी का आन्दोलन चला। पं. श्यामजी कृष्ण वर्मा, स्वामी श्रद्धानन्द, लाला लाजपतराय, भाई परमानन्द, शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल, सरदार अर्जुन सिंह, सरदार किशन सिंह, सरदार अजीत सिंह, शहीद भगत सिंह, महादेव गोविन्द रानाडे, ज्योतिबा फुले जी आदि या तो उनके साक्षात् शिष्य थे या उनके विचारों व सिद्धान्तों से प्रभावित थे।

ऋषि दयानन्द ने सच्चे आध्यात्मिक एवं सांसारिक जीवन को जानने व समझने के लिए ही अपने माता—पिता का सुख—सुविधाओं से भरा पूरा परिवार छोड़ा था और दर दर की खाक छानी थी। वह सफल हुए और घोर तप से उन्हें जो अमृत प्राप्त हुआ, उस संजीवनी से उन्होंने निष्पक्ष भाव से देश व विश्व के लोगों के कल्याण के लिए विश्व के एकमात्र पूर्णतः सत्य मनुष्य धर्म वैदिक धर्म का प्रचार किया जिसे उनके समय व बाद में आर्यसमाज निरन्तर करता चला आ रहा है। जीवन की सभी प्रकार की समस्याओं व शंकाओं का समाधान वेदों से ही सिद्ध होता है। संसार के सभी मत एकांगी हैं तो वैदिक मत व धर्म सर्वांगीण गुण, धर्म वाला धर्म है। वैदिक धर्म से ही ईश्वर व जीवात्मा के ज्ञान, परस्पर व्यापक—व्याप्य संबंध, ईश्वरोपासना आदि के ज्ञान सहित संसार में अभ्युदय एवं निःश्रेयस का मार्ग प्रशस्त होता है। ऋषि दयानन्द जी का जीवन प्राचीन ऋषियों, राम, कृष्ण, चाणक्य जैसा महिमाशाली था। उन्होंने ईश्वर की आज्ञा का पालन करते हुए सत्य वैदिक सिद्धान्तों, मान्यताओं व धर्म का प्रचार किया। संसार के प्रत्येक मनुष्य का यही कर्तव्य है कि वह असत्य का त्याग और सत्य के ग्रहण को करने कराने में अपना जीवन लगाये। ऐसे लोगों के लिए ऋषि दयानन्द जी का जीवन ही आदर्श है। ईश्वर की सच्ची स्तुति, प्रार्थना व उपासना का मार्ग ऋषि दयानन्द ने ही संसार को बताया। अग्निहोत्र का स्वरूप, इसका महत्व व उसके उपयोगी पक्षों से भी ऋषि ने ही देश व संसार को अवगत कराया। पितृयज्ञ, अतिथियज्ञ तथा बलिवैश्वदेव यज्ञ सहित सभी देशोपकारक एवं समाज हितकारी कार्यों का ज्ञान व प्रेरणा ऋषि दयानन्द के जीवन व कार्यों से हमें मिलती है। ऋषि दयानन्द जी का व्यक्तित्व सार्वभौमिक एवं सार्वकालिक है। सभी विश्व के लोगों को उनके जीवन चरित सहित उनके सभी ग्रन्थों को पढ़ना चाहिये और इन सबसे प्रेरणाग्रहण कर वेद और सत्यार्थप्रकाश आदि की शिक्षाओं के अनुसार आचरण करना चाहिये। उनकी बतायी वैदिक विचारधारा को अपनाने पर ही संसार का कल्याण हो सकता है। मत—मतान्तरों की उपस्थिति नये नये विवादों को जन्म देती है। इससे विश्व में पूर्ण शान्ति एवं कल्याण की अपेक्षा नहीं की जा सकती। यह महर्षि दयानन्द द्वारा प्रदत्त विचारों के मंथन का निष्कर्ष है। जिस प्रकार एक सत्य विचारधारा वाले परिवार की उन्नति होती है, परस्पर भिन्न भिन्न विचार रखने वाले पारिवारिक सदस्य में एकता का अभाव होता है, वह परस्पर लड़ते झगड़ते रहते हैं, उनकी आध्यात्मिक उन्नति तो दूर भौतिक उन्नति भी बहुत कम व न के बराबर होती है। इसी प्रकार जिस देश में सभी लोग सत्य व ज्ञानपूर्ण विचारों वाले एकमत होकर मित्रता व सौहार्द के वातावरण में कार्य करते हैं वहीं उन्नति व सुख होता है। तुलसी दास जी ने कहा है 'जहां सुमति वहां सम्मति नाना जहां कुमति वहां विपत्ति निधाना।' ऋषि दयानन्द ने अपने जीवन काल में वेदों के प्रचार सहित जो जो कार्य किये, उन्होंने व उनके द्वारा स्थापित आर्यसमाज ने देश व विश्व के करोड़ों लोगों के जीवनों को बदल दिया और वह सब आध्यात्मिक व सांसारिक उन्नति की दृष्टि से सन्तुष्ट व अग्रणीय हैं। जो भी व्यक्ति अपनी सार्वत्रिक उन्नति करना चाहे उसके पास यही विकल्प है कि वह आर्यसमाज के नियमों, सिद्धान्तों व मान्यताओं को जाने और उनका पालन करे। वेदों की शिक्षाओं व नियमों का पालन ही सत्य व धर्म का सच्चा मार्ग हैं। आईये, आर्यसमाज के साथ मिलकर सन्मार्ग के मार्ग पर चलने का संकल्प लें और जन्म—मरण के पाश से मुक्त होकर जीवन लक्ष्य 'मोक्ष' को प्राप्त करें।

—196 चुक्खूवाला—2, देहरादून—248001, फोनः 09412985121

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद द्वारा आर्य बंधुओ के लिए विदेश (बैंकाक- पताया) भ्रमण पैकेज -28 सितंबर से 2 अक्टूबर 2017। इसमे 3 स्टार होटल में दो दिन बैंकाक दो दिन पताया। शाकाहारी भोजन के साथ, हवाई टिकट, वीसा, गाइड, बैंकाक सिटी टूर, कोरल आइलैंड। बुजर्गो के लिये विशेष ध्यान की सुविधा। जिनके पास पासपोर्ट नही है वो दो हजार रुपये देकर पासपोर्ट बनवा सकते है। इछुक व्यक्ति 5000 रुपये देकर बुकिंग करवा सकते है। संपर्क करे देवेंद्र भगत 9958889970

वैदिक भक्ति आश्रम, तपोवन, देहरादून में स्वामी दीक्षानन्द स्मृति दिवस सोल्लास सम्पन्न

औषधालय निर्माण हेतु विधायक उमेश शर्मा ''काऊ'' ने 10 लाख रूपये अनुदान की घोषणा की

आश्रम के प्रधान श्री दर्शन कुमार अग्निहोत्री व मन्त्री श्री प्रेमप्रकाश शर्मा का अभिनन्दन करते विधायक श्री उमेश शर्मा 'काउ',डा.अनिल आर्य, सुशील भाटिया।
द्वितीय चित्र–वैदिक विद्वान आचार्य प्रेमपाल शास्त्री का अभिनन्दन करते विधायक उमेश शर्मा, दर्शन अग्निहोत्री, प्रेमप्रकाश शर्मा व डा.अनिल आर्य।

रविवार, 14 मई 2017, अग्निहोत्री धर्मार्थ ट्रस्ट नई दिल्ली के तत्वावधान में मूर्धन्य आर्य संन्यासी स्वामी दीक्षानन्द जी का 14वां स्मृति दिवस वैदिक भक्ति आश्रम, तपोवन, देहरादून में ट्रस्ट के प्रधान श्री दर्शन कुमार अग्निहोत्री की अध्यक्षता में सोल्लास मनाया गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कुशल मंच संचालन किया। दिल्ली से 150 से अधिक आर्य जन सम्मिलित हुए। समारोह के मुख्य अतिथि विधायक श्री उमेश शर्मा ''काउ'' ने कहा कि स्वामी दीक्षानन्द जी वेदों के प्रकाण्ड विद्वान थे। उन्होंने तपोवन आश्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां निरन्तर शिविर चलते रहते हैं,आप हिन्दू समाज को नयी चेतना व दिशा देने का शुभ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने तपोवन में निर्माणाधीन नि:शुल्क औषधालय का उद्घाटन किया व 9 लाख,99 हजार,999 रू अनुदान देने की घोषणा की। आचार्य आशीष दर्शनाचार्य ने युवा पीढ़ी को आर्य समाज से जोड़ने ओर उन्हें कार्य करने का अवसर प्रदान करने का आह्वान किया। वैदिक विद्वान आचार्य उमेश कुमार कुलश्रेष्ठ ने यज्ञ की महता पर प्रकाश डाला ओर जातिवाद मिटाने का आह्वान किया। आश्रम के मन्त्री श्री प्रेमप्रकाश शर्मा ने आश्रम की गतिविधियों का विवरण देते हुए आभार व्यक्त किया। आचार्य प्रेमपाल शास्त्री,श्री कन्हैयालाल आर्य(गुरूग्राम),श्रीमती गायत्री मीना(नोएडा),आचार्य योगेन्द्र शास्त्री, श्री प्रवीन आर्य (गाजियाबाद) ने भी अपने विचार रखे। प्रमुख रूप से दिल्ली से योगराज अरोड़ा,उर्मिला आर्या,अनिता कुमार,सुदेश डोगरा,राकेश भटनागर, प्रवीन आर्या, आस्था आर्या, विश्वनाथ आर्य, रामकुमार आर्य, धर्मपाल आर्य, अरूण आर्य, शिवम मिश्रा, राकेश आर्य, माधव सिंह, प्रदीप आर्य, अमित, दीपक, अभिषेक, वरूण, सभा प्रधान सुखबीर सिंह वर्मा, रमाकांत महाजन (लुधियाना), राकेश ग्रोवर (यमुना नगर), सुशील भाटिया, विजय आर्य (चण्डीगढ़), वेदप्रकाश आर्य (रोहतक), मुनि शशि आदि उपस्थित थे। पं.कल्याणसिंह आर्य, पं.सत्यपाल पथिक, मीनाक्षी पवार के मधुर भजन हुए। तपोवन विद्यालय के बच्चों ने भजन व नाटिका प्रस्तुत की।

श्री कन्हैयालाल आर्य(गुरूग्राम) का अभिनन्दन करते अशोक शर्मा,विधायक उमेश शर्मा। द्वितीय चित्र–बहिन गायत्री मीना (नोएडा) का अभिनन्दन करते प्रवीन आर्या, विधायक उमेश शर्मा व प्रेम शर्मा।

श्री प्रेमकुमार सचदेवा (दिल्ली) का अभिनन्दन करते विधायक उमेश शर्मा, प्रेम शर्मा, आचार्य आशीष दर्शनाचार्य, दर्शन अग्निहोत्री व डा.अनिल आर्य।
द्वितीय चित्र–श्री मनमोहन कुमार आर्य (देहरादून) का अभिनन्दन करते विधायक उमेश शर्मा,दर्शन अग्निहोत्री,प्रेमप्रकाश शर्मा आदि।

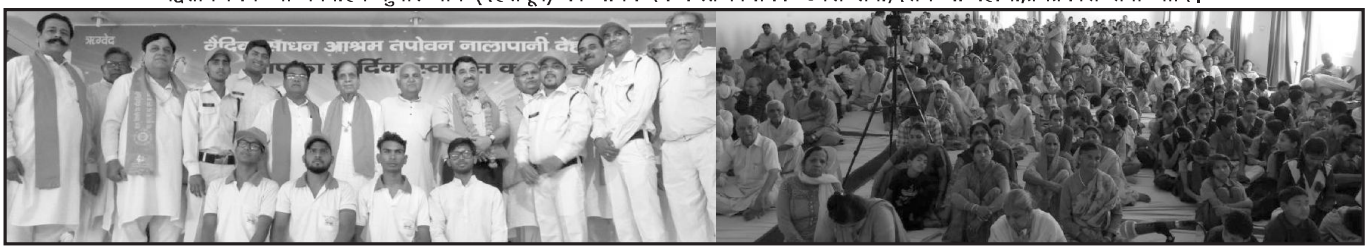

मंच पर आर्य कार्यकर्ताओं के साथ श्री दर्शन कुमार अग्निहोत्री,धर्मपाल आर्य,प्रेमप्रकाश शर्मा,विधायक उमेश शर्मा,प्रेमपाल शास्त्री,प्रदीप आर्य,रामकुमार आर्य,दीपक,विश्वनाथ आर्य,माधव सिंह,शिवम मिश्रा,अमित,गौरव,अनुज,प्रवीन आर्य व डा.अनिल आर्य आदि । द्वितीय चित्र–सभागार में उपस्थित श्रद्वालु आर्य जन।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय शिविर : ऐमिटी सैक्टर–44,नोएडा में आमन्त्रित विद्वान दैनिक प्रातः 11.30 से 12.30 बजे तक एवम् बौद्विक से पूर्व प्रातः 10.30 से 11.30 तक ''सरदार सुरेन्द्रसिंह गुलशन(जालन्धर)'' के प्रेरणास्पद् भजन होंगे।

1.	दिनांक 11 जून 2017	–	डा.सुनील एम. रहेजा	विषयः ''आधुनिक जीवन शैली का स्वास्थ्य पर प्रभाव''
2.	दिनांक 12 जून 2017	–	आचार्य वीरेन्द्र विकम	विषयः ''युवकों में ईश भक्ति व देश भक्ति की भावना''
3.	दिनांक 13 जून 2017	–	आचार्य योगेन्द्र शास्त्री	विषयः''जीवन में व्यापत पाखण्ड,अंधविश्वास,कुरीतियों का निवारण''
4.	दिनांक 14 जून 2017	–	आचार्य गवेन्द्र शास्त्री	विषयः ''महर्षि दयानन्द व आर्य समाज की मान्यतायें''
5.	दिनांक 15 जून 2017	–	आचार्य महेन्द्र भाई	विषयः ''परिषद् की स्थापना,उदेश्य,भावी कार्यक्रम''
6.	दिनांक 16 जून 2017	–	डा.महेश विद्यालंकार	विषयः ''जीवन में आध्यत्मिकता,धर्म,नैतिकता का महत्व''
7.	दिनांक 17 जून 2017	–	डा.जयेन्द्र आचार्य	विषयः ''युवकों में सर्वगुणों की प्राप्ती''

केन्द्रीय मन्त्री डा. हर्षवर्धन, सांसद महेश गिरी, आर्य नेता आनन्द चौहान को दिया शिविर निमन्त्रण

परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने केन्द्रीय मंत्री डा.हर्षवर्धन,पूर्वी दिल्ली के सांसद महेश गिरी व शिक्षाविद् श्री आनन्द चौहान से भेंट की तथा ग्रीष्मकालीन अवकाश में लगने वाले 21 शिविरों की जानकारी दी व पधारने का निमन्त्रण दिया।

आर्य समाज, सैक्टर-33, नोएडा व अरूण विहार, नोएडा में सम्पर्क अभियान

रविवार, 7 मई 2017,आर्य समाज, सैक्टर–33, नोएडा में डा. जयेन्द्र आचार्य, प्रधान रविन्द्र सेठ, विजेन्द्र कठपालिया को स्मृति चिन्ह भेंट करते डा. अनिल आर्य, साथ में बहिन गायत्री मीना। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, अरूण विहार, सैक्टर–29 नोएडा में प्रधान कर्नल बंसी कौल को सम्मानित करते डा. अनिल आर्य, साथ में मेजर जनरल आर.के.एस भाटिया, मन्त्री विद्याप्रकाश सरदाना, कर्नल अजयवीर, कुसुमवीर व अजेन्द्र शास्त्री।

गाजियाबाद में शिविर तैयारी बैठक सम्पन्न व हिन्द की चादर पुस्तक का विमोचन

रविवार, 7 मई 2017, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की शिविर तैयारी बैठक संन्यास आश्रम,दयानन्द नगर, गाजियाबाद में डा.आर.के. आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। चित्र में डा. अनिल आर्य प्रेस को सम्बोधित करतेहुए,साथ में यज्ञवीर चौहान,प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य,के.के.यादव। द्वितीय चित्र–शनिवार, 6 मई 2017,आशु कवि श्री विजय गुप्त की पुस्तक ''हिन्द की चादर–गुरू तेग बहादुर'' का विमोचन स्पीकर हाल,रफी मार्ग,नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ। दक्षिण दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के प्रधान श्री रविदेव गुप्ता ने कुशल मंच संचालन किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में आर.एस.एस. के डा.कृष्णलाल जी,सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी,एम.डी.एच. के महाशय धर्मपाल जी आदि उपस्थित थे। आर्य नेता चतरसिंह नागर, डा. अनिल आर्य,जितेन्द्र डावर,अर्चना पुष्करना,महावीरसिंह आर्य,हरिचन्द आर्य,विजय सब्रवाल, सुनील शास्त्री, अनिल हाण्डा आदि उपस्थित थे। आर्य नेता चतरसिंह नागर, डा. अनिल आर्य,जितेन्द्र डावर,अर्चना पुष्करना,महावीरसिंह आर्य,हरिचन्द आर्य,विजय सब्रवाल, सुनील शास्त्री, अनिल हाण्डा आदि उपस्थित थे। उपरोक्त चित्र में–लेखक विजय गुप्त व सुनीता गुप्त का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, प्रवीन आर्या व महेन्द्र भाई।

आर्य समाज सूर्य निकेतन में बैठक सम्पन्न

शिविर तैयारी पर बोलते हुए शिक्षक सौरभ गुप्ता,मंच पर डा.अनिल आर्य,रामकुमार आर्य,महेन्द्र भाई,यशोवीर आर्य,राजीव कोहली,संजय आर्य व यज्ञवीर चौहान।

अपील: यदि आप केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों से सन्तुष्ट हैं तो हमें सहयोग करें,कृपया अपना सहयोग परिषद् के खाता सं. 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई.एफ.एस.कोड -SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868002130 पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके। अग्रिम धन्यवाद सहित। – डा. अनिल आर्य, मो.09810117464

शोक समाचार: विनम्र श्रद्धांजलि

1. सार्वदेशिक सभा के पूर्व प्रधान श्री प्रताप जी शूर भाई (मुम्बई), आयु–100 वर्ष का निधन।
2. आर्य नेता श्री मदनलाल गुप्ता (अमेरिका) का निधन।
3. श्री महेन्द्रसिंह त्यागी (गाजियाबाद) का निधन।
4. श्रीमती कृष्णा कुमारी उप्पल (नैरोबी) का निधन।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970